हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

Date: 02.05.2024

हिब्रू विवि इजरायल में डा. जगपाल का प्रोफेसर के रूप में चयन

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा. जगपाल दहिया का हिब्रू विश्वविद्यालय (जेरूसलम) इजराइल में विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर चयन हुआ है। इसको लेकर कुलपति डा. रणपाल सिंह ने डा. जगपाल दहिया को बधाई दी और कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए बहुत गौरव की बात है। इससे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। इससे आगे भी रिसर्च के क्षेत्र में इतिहास विभाग व विद्यार्थियों को लाभ होगा। डा. जगपाल दहिया ने इससे पहले हिब्रू विश्वविद्यालय जेरूसलम इजराइल से पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि की हुई है।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

Date: 02.05.2024

डा. प्रीति की अंतरराष्ट्रीय संबंध पुस्तक का विमोचन

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डा. प्रीति द्वारा लिखित अंतरराष्ट्रीय संबंध पुस्तक का बुधवार को विमोचन किया गया। इस पुस्तक विमोचन कुलपति डा. रणपाल सिंह ने किया। इस पुस्तक में डा. प्रीति ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया है। जैसे कि संप्रभु राज्यों, अंतर-सरकारी संगठन आदि।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी
Date: 02.05.2024

जींद। सीआरएसयू में आयोजित व्याख्यान के मौके पर मौजूद मुख्य वक्ता और स्टाफ।

शिक्षा जीवन जीने की कला सिखाती है : प्रो. किरणदीप

■ चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में बुधवार को व्याख्यान श्रृंखला के तहत जीवन कौशल शिक्षा व्यक्तिगत विकास का एक मार्ग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला से सेवानिवृत प्रो. किरणदीप कौर ने व्याख्यान दिया। शुरुआत में शिक्षा विभाग प्रभारी डा. रितु रानी ने विभाग में पधारने पर उनका स्वागत किया। प्रो. किरणदीप कौर ने कहा कि जीवन कौशल शिक्षा वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति को दैनिक जीवन की आवश्यकताओं और चुनौतियों का सही तरीके से सामना करने के लिए ज्ञानए क्षमता और अभिवृत्ति प्रदान करती है। यह पारंपरिक शैक्षिक विषयों से बढ़ कर प्रायोगिक कौशल और क्षमताओं को विकसित करने पर बल देती है। जो व्यक्तिगत विकास, बेहतर सामाजिक संवाद और पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक हैं। प्रो. कौर ने बताया कि जीवन कौशल का सम्प्रत्य विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 1993 में शुरू किया था। उन्होंने जीवन कौशल शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि यह विद्यार्थी जीवन से ही व्यक्ति को समय प्रबंधन, संचार कौशल, तनाव प्रबंधन, नेतृत्व, समस्या समाधान आदि कौशल सिखाती है जो कि वर्तमान समय में एक स्वस्थ और सल जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। जीवन कौशल शिक्षा विद्यार्थी को स्वयं को बेहतर तरीके से समझने में सहायता करती है। जिससे वह अपने मनोभावों को समझ कर भावनात्मक रूप से समर्थ व सक्षम बन सके। जीवन कौशल शिक्षा रचनात्मक व तार्किक चिंतन और अन्तर्वयक्तिक कुशलता पर बल देती है बेहतर संतुलन स्थापित कर सफलता प्राप्त कर सकता है।

अमर उजाला

Date: 02.05.2024

डॉ. जगपाल हिब्रू विवि में प्रोफेसर बने

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. जगपाल दहिया का हिब्रू विश्वविद्यालय (जेरूसलम) इजराइल में विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर चयन हुआ है। इसको लेकर कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने डॉ. जगपाल दहिया को बधाई दी और कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए बहुत गौरव की बात है। इससे चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। इससे आगे भी रिसर्च के क्षेत्र में इतिहास विभाग व विद्यार्थियों को लाभ होगा। डॉ. जगपाल दहिया ने इससे पहले हिब्रू विश्वविद्यालय जेरूसलम इजराइल से पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि की हुई है। अपने इजरायल प्रवास के दौरान वह सिंधु सभ्यता व मेसोपोटामिया सभ्यता के बीच व्यापार पर अपना लेक्चर देंगे। संवाद

अमर उजाला

Date: 02.05.2024

अंतरराष्ट्रीय संबंध पुस्तक का विमोचन

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. प्रीति की लिखित अंतरराष्ट्रीय संबंध पुस्तक का बुधवार को विमोचन किया गया। इस पुस्तक विमोचन कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने किया। इस पुस्तक में डॉ. प्रीति ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को उजागर किया है, जैसे संप्रभु राज्यों, अंतर-सरकारी संगठनों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीच बातचीत।

सीआरएसयू में पुस्तक का विमोचन करते कुलपति डॉ. रणपाल सिंह। स्रोत : संस्थान

विमोचन समारोह के दौरान डॉ. प्रीति ने अपनी पुस्तक के लिखित और अलिखित स्रोतों के प्रति आभार प्रकट किया और उम्मीद जताई कि यह पुस्तक विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जटिलताओं को समझने में सहायक होगी। इस अवसर पर डॉ. सुनील फोगाट, डॉ. राकेश, डॉ. मंजू राजेश, डॉ. संदीप कुमार, और दीपक मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

Date: 02.05.2024

व्याख्यान के जरिए व्यावहारिक कौशल में होती वृद्धि

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में बुधवार को जीवन कौशल शिक्षा, व्यक्तिगत विकास का एक मार्ग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के शिक्षा एवं सामुदायिक सेवा विभाग से सेवानिवृत प्रोफेसर किरणदीप कौर रही।

सीआरएसयू में विद्यार्थियों को संबोधित करते सेवानिवृत प्रो. किरणदीप कौर • विवि

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग प्रभारी डा. रितु रानी ने प्रोफेसर किरणदीप कौर का स्वागत किया। प्रोफेसर किरणदीप कौर ने कहा कि जीवन कौशल शिक्षा वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति को दैनिक जीवन की आवश्यकताओं और चुनौतियों का सही तरीके से सामना करने के लिए ज्ञान, क्षमता और अभिवृत्ति प्रदान करती है। यह पारंपरिक शैक्षिक विषयों से बढ़कर प्रायोगिक कौशल और क्षमताओं को विकसित करने पर बल देती है, जो व्यक्तिगत विकास, बेहतर सामाजिक संवाद और पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि जीवन कौशल का सम्प्रत्य विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 1993 में शुरू किया था। विद्यालय स्तर पर सीबीएसई तथा एनसीईआरटी ने इस विषय पर काफी काम किया है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जीवन कौशल गुण और क्षमताओं को विद्यार्थियों मे विकसित करने पर बल दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 10 जीवन कौशलों- आत्म जागरूकता, तदानुभूति, तार्किक चिंतन, रचनात्मक चिंतन, निर्णयन, समस्या समाधान, प्रभावशाली संप्रेषण, अन्तर्वयक्तिक संबंध, भावनात्मक प्रबंधन और तनाव प्रबंधन पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ना देकर जीवन कौशलों में कुशल बनाने पर बात करती है। विभाग अध्यक्ष डा. कुलदीप नारा ने कहा कि इस प्रकार का व्याख्यान न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान का संवर्धन करते हैं, बल्कि उनके व्यावहारिक कौशलों में भी वृद्धि करते हैं। विद्यार्थियों ने व्याख्यान के संदर्भ में अपनी सकारात्मक प्रतिपुष्टि प्रदान की और कहा की भविष्य में भी हम यही कामना करते हैं कि विभाग हमारे ज्ञान में कौशल संवर्धन के लिए इस प्रकार के आयोजन करवाता रहेगा।

दैनिक जागरण

Date: 02.05.2024

डा. दहिया का हिब्रू विवि में विजिटिंग प्रो. के रूप में हुआ चयन

इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. जगपाल दहिया विश्वविद्यालय कुलपति डा. रणपाल सिंह के साथ ● सौ. विश्वविद्यालय

जासं ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. जगपाल दहिया का हिब्रू विश्वविद्यालय जेरूसलम इजराइल में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में चयन हुआ है। उनके चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रणपाल सिंह ने बधाई दी। डा. रणपाल सिंह ने कहा कि यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए बहुत गौरव की बात है। इससे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है और इससे आगे भी रिसर्च के क्षेत्र में इतिहास विभाग व विद्यार्थियों को लाभ होगा। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा. अजमेर सिंह, डा. जसमेर सिंह व डा. जगपाल मान मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 02.05.2024

सीआरएसयू में 'जीवन कौशल शिक्षा व्यक्तिगत विकास का एक मार्ग' विषय पर व्याख्यान

जीवन कौशल शिक्षा विद्यार्थी को स्वयं को बेहतर तरीके से समझने में करती है हेल्प

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत \'जीवन कौशल शिक्षा व्यक्तिगत विकास का एक मार्ग' विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के शिक्षा एवं सामुदायिक सेवा विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर किरण दीप कौर ने कहा कि जीवन कौशल शिक्षा वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति को दैनिक जीवन की आवश्यकताओं और चुनौतियों का सही तरीके से सामना करने के लिए ज्ञान, क्षमता और अभिवृत्ति प्रदान करती है।

यह पारंपरिक शैक्षिक विषयों से बढ़कर प्रायोगिक कौशल और क्षमताओं को विकसित करने पर बल देती है, जो व्यक्तिगत विकास, बेहतर सामाजिक संवाद और पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक हैं। जीवन कौशल शिक्षा विद्यार्थी को स्वयं को बेहतर तरीके से समझने में सहायता करती है जिससे वह अपने मनोभावों को समझ कर भावनात्मक रूप से समर्थ व सक्षम बन सके।

डॉ. जगपाल का हिब्रू विवि में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में हुआ चयन

जींद। सीआरएसयू इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. जगपाल दहिया का हिब्रू विश्वविद्यालय जेरूसलम इजराइल में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में चयन हुआ है। कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि इससे आगे भी रिसर्च के क्षेत्र में इतिहास विभाग व विद्यार्थियों को लाभ होगा। डॉ. जगपाल दहिया ने इससे पहले हिब्रू विश्वविद्यालय जेरूसलम इजराइल से पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि की हुई है। अपने इजरायल प्रवास के दौरान वह सिंधु सभ्यता व मेसोपोटामिया सभ्यता के बीच व्यापार पर अपना लेक्चर देंगे। मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. अजमेर सिंह, डॉ. जसमेर सिंह व डॉ. जगपाल मान भी मौजूद रहे।

डॉक्टर प्रीति की पुस्तक का किया विमोचन

जींद. सीआरएसयू में डॉ. प्रीति द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति डॉ. रणपाल सिंह।

जींद|सीआरएसयू के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रतिभाशाली पार्ट टाइम सहायक प्राध्यापिका डॉ. प्रीति द्वारा लिखित अंतरराष्ट्रीय संबंध पुस्तक का विमोचन किया गया। कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने खुद इस पुस्तक का अनावरण किया। पुस्तक में डॉ. प्रीति ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया है। इसमें संप्रभु राज्यों, अंतर-सरकारी संगठनों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीच बातचीत जैसे विषय शामिल हैं। इस दौरान डॉ. प्रीति ने अपनी पुस्तक के लिखित और अलिखित स्रोतों के प्रति आभार प्रकट किया। मौके पर डॉ. सुनील फोगाट, डॉ. राकेश, डॉ. मंजू राजेश, डॉ. संदीप कुमार व दीपक मौजूद थे।